अनुक्रमांक ..
नाम ..

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

102 302(BI)

2026
सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश :

i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो खण्डों – **खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड–क)

1. **क) 'हिन्दी का पहला पत्र है'** 1

i) उदंत मार्तण्ड ii) हिन्दी प्रदीप iii) आनंद कादम्बिनी iv) कविवचन सुधा

ख) 'कंकाल' उपन्यास के लेखक हैं 1

i) प्रेमचंद ii) चतुरसेन शास्त्री iii) विशंभरनाथ शर्मा iv) जयशंकर प्रसाद

ग) 'चिंतामणि' रचना की विधा है 1

i) निबंध ii) नाटक iii) कहानी iv) उपन्यास

घ) 'कल्पलता' के लेखक हैं 1

i) भारतेंदु iii) यशपाल

ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी iv) 'अज्ञेय'

ङ) 'गुलाबराय' लेखक हैं 1

i) भारतेंदु-युग के ii) शुक्ल-युग के iii) द्विवेदी-युग के iv) शुक्लोत्तर-युग के

2. **क) 'तारसप्तक' के कवि हैं** 1

i) रामविलास शर्मा ii) रामकुमार वर्मा iii) धीरेन्द्र वर्मा iv) महादेवी वर्मा

ख) 'उर्वशी' रचना है 1

i) रामधारी सिंह 'दिनकर' की

ii) हरिवंश राय 'बच्चन' की

iii) माखनलाल चतुर्वेदी की

iv) मैथिलीशरण गुप्त की

UPBoardHub

ग) 'सांध्यगीत' काव्य-संकलन है 1

i) 'दिनकर' का
ii) 'निराला' का
iii) सुमित्रानन्दन पन्त का
iv) महादेवी वर्मा का

घ) 'बसंत हवा' कविता है 1

i) केदारनाथ अग्रवाल की
ii) त्रिलोचन शास्त्री की
iii) नागार्जुन की
iv) केदारनाथ सिंह की

ङ) जयशंकर प्रसाद का महाकाव्य है 1

i) 'झरना' ii) 'लहर' iii) 'कामायनी' iv) 'आँसू'

3. **दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** $5 \times 2 = 10$

यह प्रणाम-भाव ही भूमि और जन का दृढ़ बन्धन है। इसी दृढ़ भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है। इसी दृढ़ चट्टान पर राष्ट्र का चिर जीवन आश्रित रहता है। इसी मर्यादा को मानकर राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्तव्य और अधिकारों का उदय होता है। जो जन पृथ्वी के साथ माता और पुत्र के संबंध को स्वीकार करता है, उसे पृथ्वी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है। माता के प्रति अनुराग और सेवाभाव पुत्र का स्वाभाविक कर्तव्य है। वह एक निष्कारण धर्म है। स्वार्थ के लिए पुत्र का माता के प्रति प्रेम, पुत्र के अध:पतन को सूचित करता है।

i) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।
ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
iii) पृथ्वी के रत्नों को वरदानों को कौन प्राप्त कर सकता है ?
iv) कैसे व्यक्ति राष्ट्र का उत्थान नहीं कर सकते ?
v) प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से लेखक ने क्या संदेश दिया है ?

अथवा

अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला, वह अपूर्व था। सुंदरियों के आसिंजनकारी नूपुरवाले चरणों के मृदु आघात से वह फूलता था, कोमल कपोलों पर कर्णावतंस के रूप में झूलता था और चंचल नील अलकों की अचंचल शोभा को सौ-गुना बढ़ा देता था। वह महादेव के मन में क्षोभ पैदा करता था, मर्यादा पुरुषोत्तम के चित्त में सीता का भ्रम पैदा करता था और मनोजन्मा देवता के एक इशारे पर कंधों पर से ही फूट उठता था।

i) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
iii) 'आसिंजनकारी' तथा 'कर्णावतंस' शब्दों का अर्थ लिखिए।
iv) संस्कृत के किस कवि ने अशोक को सम्मानित किया ?
v) किस फूल की सुन्दरता के कारण सुन्दरियाँ उसे अपने कानों का आभूषण बनाती थीं ?

UPBoardHub

4. **दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** $5 \times 2 = 10$

कहा आगंतुक ने सस्नेह–
'अरे तुम इतने हुए अधीर !
हार बैठे जीवन का दाँव'
जीतते मारकर जिसको वीर ।
तप नहीं केवल जीवन सत्य
करुण यह क्षणिक दीन अवसाद;
तरल आकांक्षा से है भरा
सो रहा आशा का अह्लाद ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) श्रद्धा मनु को प्रेरित करते हुए क्या कहती है ?

iv) श्रद्धा दुःख को किसके समान मानती है और क्यों ?

v) प्रस्तुत पद्यांश में श्रद्धा क्या प्रयत्न कर रही है ?

अथवा

बाँध लेंगे क्या तुझे यह मोम के बंधन सजीले ?
पथ की बाधा बनेंगे तितलियों के पर रंगीले ?
विश्व का क्रंदन भुला देगी मधुप की मधुर गुन-गुन,
क्या डुबा देंगे तुझे यह फूल के दल ओस-गीले ?
तू न अपनी छाँह को अपने लिए कारा बनाना ।
जाग तुझको दूर जाना ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) उपर्युक्त पद्यांश से पथिक को क्या प्रेरणा मिलती है ?

iv) उपर्युक्त पद्यांश में रस और उसका स्थायी भाव लिखिए ।

v) 'मधुप' और 'ओस' का पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

5. **(क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)** $3 + 2 = 5$

i) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

iii) हरिशंकर परसाई ।

UPBoardHub

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) $3 + 2 = 5$

i) सुमित्रानन्दन पन्त

ii) मैथिलीशरण गुप्त

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

6. 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'लाटी' कहानी का कथासार अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए । 5
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु को अपने शब्दों में वर्णित कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चित्रांकन कीजिए ।

iii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

vi) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य से सबसे प्रभावी व्यक्तित्व का चित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में वर्णित कीजिए ।

UPBoardHub

(खण्ड–ख)

8. **(क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :** $2 + 5 = 7$

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षिव्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृवत् सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातंत्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वं च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते ।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे चतुष्पदाः सिंहं राजानमकुर्वन् । मत्स्याः आनन्दमत्स्यम्, शकुनयः सुवर्णहंसम् । तस्य पुनः सुवर्णराजहंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत् । स तस्यै वरमदात् यत् सा आत्मनश्चित्तरुचितं स्वामिनं वृणुयात् इति । हंसराजः तस्यै वरं दत्वा, हिमवति शकुनिसङ्घे सन्निपतन् । नानाप्रकाराः हंसमयूरादयः शकुनिगणाः समागत्य एकस्मिन् महति पाषाणतले सन्निपतन् । हंसराजः आत्मनः चित्तरुचितं स्वामिकम् आगत्य वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : $2 + 5 = 7$

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय ।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ॥

अथवा

जयन्ति ते महाभागाः जन-सेवा-परायणाः ।
जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तितनोः क्वचित् ॥

9. **निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :** $1 + 1 = 2$

(i) अंग-अंग ढीला होना
(ii) जमीन आसमान एक करना
(iii) अधजल गगरी छलकत जाय
(iv) अपनी-अपनी डफली अपना-अपना राग ।

10. **अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

वस्तुतः बोली, गोली से अधिक असरदार होती है । हम शब्दों द्वारा ही औरों को अपना बनाते हैं और शब्दों से ही अपने पराए बन जाते हैं । कौन-सा शब्द कब, कहाँ, किसके लिए बोलना है इसका ध्यान रखना ही औचित्य है और **भाषा का यह औचित्य शब्द सौंदर्य का अहम हिस्सा है** । सच तो यह है कि शब्दों का दुरुपयोग प्रायः होता है और **इस दुरुपयोग को रोकने का उपाय शब्दों का सदुपयोग ही है** । विशेषणों के प्रयोग में हम प्रायः अति उत्साहवश या अज्ञानवश उनका दुरुपयोग करते हैं, ऐसे निरर्थक प्रयोग करते हैं कि स्थिति हास्यास्पद हो जाती है ।

(i) आशय स्पष्ट कीजिए— "बोली, गोली से अधिक असरदार होती है ।"

(ii) भाषा के संदर्भ में 'औचित्य' किसे कहा गया है ?

(iii) शब्दों के दुरुपयोग को कैसे रोका जा सकता है ?

अथवा

UPBoardHub

कोई अपने दुर्भाग्य को कोसा रहा है, कोई अपनी पारिवारिक दीनता को दोषी बता रहा है, कोई संसाधनों को अपनी असफलता का आधार मान रहा है – बहुत से असफल व्यक्ति इसी तरह अनेक कारणों को असफलता का आधार मानते हैं, विभिन्न कारणों की कल्पना कर हाथ-पर-हाथ धरे बैठे रहते हैं। वे जीवन में कुछ कर नहीं पाते। वे समाज के लिए, संसार के लिए कुछ नहीं कर पाते। ऐसे मनुष्यों को जीवन में राह नहीं मिलती, कोई चारा नहीं दिखता। वे दूसरों से अपेक्षा करते हैं कि कोई उन्हें किसी लक्षय प्राप्ति का मार्ग दिखाए, सफलता की सीढ़ी बताए, जिससे वे उस पर आसानी से चढ़ सकें। किन्तु ऐसे लोगों को यह भली-भाँति जानना चाहिए कि जहाँ चाह है, वहीं राह है। हमारी इच्छाशक्ति स्वयं हमारे लिए मार्ग बना देती है।

(i) अधिकांश असफल व्यक्ति कुछ विशेष क्यों नहीं कर पाते ?

(ii) "जहाँ चाह है, वहीं राह है ।" का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(iii) अच्छे कार्य के लिए किस चीज की आवश्यकता होती है ?

11. **(क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :**

(i) **अनिल–अनल –**

(अ) हवा और आग
(ब) आग और हवा
(स) आग और पवन
(द) हवा और पानी ।

(ii) **ग्रह–गृह –**

(अ) घर और संसार
(ब) घर और परिवार
(स) पृथ्वी, मंगल और घर
(द) संसार और घर ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : $1 + 1 = 2$

(i) अंबुज
(ii) पक्ष
(iii) मेघ
(iv) अरुण ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) **कम बोलने वाला –**

(अ) वादी
(ब) मितभाषी
(स) बहुभाषी
(द) बकवादी ।

(ii) **जो बूढ़ा न हो –**

(अ) अजर
(ब) अजिर
(स) अमर
(द) अजीज ।

UPBoardHub

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : $1 + 1 = 2$

(i) शिक्षक ने छात्र की प्रशंसा की ।

(ii) राजा दिलीप बहुत दयालू था ।

(iii) राजा घोड़े में सवार हो गया ।

(iv) यह बात शीला को पूछो ।

12. **(क) 'करुण' रस अथवा 'शृंगार' रस की परिभाषा देते हुए एक उदाहरण लिखिए ।** $1 + 1 = 2$

(ख) 'अनुप्रास' अलंकार अथवा 'संदेह' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए । $1 + 1 = 2$

(ग) 'सोरठा' छन्द अथवा 'कुण्डलियां' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । $1 + 1 = 2$

13. **अपने मोहल्ले की समुचित सफाई हेतु नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए ।** 6

अथवा

स्व-रोजगार हेतु ऋण की माँग करते हुए बैंक के शाखा-प्रबन्धक को एक आवेदन-पत्र लिखिए ।

14. **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए :** 9

(i) युवाओं के निर्माण में पुस्तकालय का महत्त्व

(ii) परोपकार–सर्वोच्च भावना

(iii) भारत की वैज्ञानिक प्रगति

(iv) इन्टरनेट की शैक्षिक उपयोगिता

(v) नारी-जीवन का सामाजिक स्वरूप ।

UPBoardHub